हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

# देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 01 अंक–58 : जौनपुर, सोमवार 24 अक्टूबर 2022 सान्ध्य दैनिक ( संस्करण ) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

## मुख्यमंत्री योगी शहर में लगातार 14वीं बार मनाएंगे वनटांगियों के बीच दिवाली

गोरखपुर ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को शहर में होंगे। वह हर वर्ष की तरह इस बार भी वनटांगिया समुदाय के साथ दिवाली मनाएंगे। इसकी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर वनटांगिया गांव में खुशहाली छाई है। जानकारी के मुताबिक, कुसम्ही जंगल में बसे वनटांगिया गांव जंगल तिकोनिया नंबर तीन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार सुबह 11 बजे पहुंचेंगे। वह प्रभु श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या में दीपोत्सव का कीर्तिमान रचने के बाद वनटांगियों के बीच आएंगे। लगातार 14वें साल वनटांगियों के बीच दिवाली मनाएंगे। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदू विद्यापीठ में पढ़ने वाले बच्चों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन करेंगे। उन्हें मिठाई और उपहार प्रदान करेंगे। विकास की सौगात भी देंगे मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी वनटांगियों को दिवाली का उपहार देने के साथ ही जिले की कई ग्राम पंचायतों के लिए करीब 80 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। मुख्यमंत्री के साथ दिवाली मनाने के लिए कई गांवों के वनटांगियों के साथ राजधानी गांव के मुसहरों को भी आमंत्रित किया गया है। जंगल तिकोनिया नंबर तीन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री 34.55 करोड़ रुपये की लागत से 95 ग्राम पंचायतों के लिए ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों व 2.48 करोड़ रुपये की लागत से 62 ग्राम पंचायतों के लिए कामन सर्विस सेंटर की स्थापना कार्य का शिलान्यास करेंगे। ये कार्य पंचायत राज्य विभाग की तरफ से कराए जाएंगे। वह 24

ग्राम पंचायतों में परफॉर्मेंस ग्रांट से कराए गए करीब 21.10 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की तरफ से पूर्वांचल विकास निधि के तहत कराए गए 1.33 करोड़ व त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत कराए गए 20.46 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को भी जनता को समर्पित करेंगे। तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे अफसर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने रविवार को जंगल तिकोनिया नंबर तीन में सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया। शाम तक हेलीपैड समेत पंडाल सज कर तैयार हो गया। दिनभर पंचायती राज विभाग के कर्मचारी साफ सफाई में लगे रहे। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभाग अपनी योजनाओं, उपलब्धियां प्रदर्शित करते हुए स्टॉल और प्रदर्शनी लगाने में जुटे रहे। यहां एक जिला एक उत्पाद योजना, अल्पसंख्यक कल्याण, समाज कल्याण, वन विभाग, पशुपालन, कृषि विभाग, श्रम विभाग, बैंक, जिला उद्योग केंद्र, उद्यान, माटी कला बोर्ड, खादी ग्रामोद्योग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य, कृषि विज्ञान केंद्र, एनआरएलएम समेत विभिन्न विभाग के स्टॉल लगाए जा रहे हैं।

## गरीबों को कैबिनेट मंत्री नंदी ने करवाई खरीदारी : 600 महिलाएं और बच्चे पहुंचे शॉपिंग मॉल

प्रयागराज ब्यूरो : प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने रविवार को प्रयागराज दक्षिण विधानसभा की 50 बस्तियों में रहने वाले गरीब बच्चों को दिवाली की खरीदारी करवाई। उन्होंने बच्चों के साथ महिलाओं को भी दिवाली के उपहार दिए। मेयर अभिलाषा गुप्ता नंदी के साथ नंदी विगत कुछ वर्ष से दिवाली पर गरीब बच्चों एवं महिलाओं को शॉपिंग करवा रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने पर्व के एक दिन पहले तकरीबन 600 महिलाओं एवं बच्चों को सिविल लाइंस स्थित एक स्टोर में शॉपिंग करवाई। इस दौरान उन्होंने बच्चों को कपड़े के साथ जूते, चप्पल, खिलौने एवं गरीब महिलाओं को तोहफे में साड़ियां एवं दिवाली की मिठाइयां दीं। बच्चों को विशाल संकल्प संस्था के माध्यम से कार द्वारा सिविल लाइंस स्थित स्टोर पर पहुंचाया गया। मॉल में बच्चे अपने पसंद की चीजें ढूंढते नजर आए। इस अवसर पर नंदी ने कहा कि दिवाली खुशियों और मिठास का त्योहार है। बच्चों के साथ

इस तरह से दिवाली मनाना बेहद सुखद एहसास है। मेयर अभिलाषा गुप्ता ने भी बच्चों को शॉपिंग करवाने के बाद उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दीं।

दीपावली के शुभ अवसर पर समस्त देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

देश की उपासना

राष्टीय हिन्दी

मासिक/साप्ताहिक एवं दैनिक

समाचार पत्र परिवार की तरफ से

उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर ,जौनपुर,उ0प्र0

## जिनके घर में बुजुर्ग मुस्कुराते हैं वास्तव में उनका घर ही पृथ्वी का स्वर्ग है –पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्विवेदी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। दीपावली त्योहार का सही अर्थ घर में वट वृक्ष की भांति अपने अनुभव के आधार पर छाया प्रदान करने वाले बुजुर्गों की चेहरे पर हंसी लाना है। जिनके घर में बुजुर्ग मुस्कुराते हैं वास्तव में उनका घर ही पृथ्वी का स्वर्ग है।– उक्त विचार हरदोई के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्विवेदी ने आज वृद्धाश्रम, अल्लीपुर, हरदोई पहुंचकर आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के साथ समय व्यतीत करते हुए उनसे वार्तालाप करके त्यौहार पर उनके जीवन में कुछ पल ही सही पर आनंद से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर उनके साथ सीओ विनोद कुमार द्विवेदी, देहात कोतवाली इन्सपेक्टर गंगेश शुक्ला आदि पुलिस विभाग की टीम मौजूद रही। जिन्होंने सभी वृद्धाश्रम संवासिओं को फल मिष्ठान इत्यादि सामग्री भेंट कर दीपावली के शुभ अवसर पर आशीर्वाद प्राप्त किया। लायंस क्लब हरदोई उदय और लायंस क्लब हरदोई विशाल के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर हरगोविंद सेठी अपनी दोनों ही शाखाओं के साथ सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम, अल्लीपुर, हरदोई में पहुंचकर बड़े ही आत्मीय ढंग से दीपावली पर्व मनाया। इस अवसर पर लायंस क्लब हरदोई उदय के कोषाध्यक्ष पीयूष खन्ना ने कहा वृद्धाश्रम का उच्च कोटि व्यवस्था और पारिवारिक वातावरण देखकर मन प्रफुल्लित हुआ । जिला अध्यक्ष निहाल जी ने बुजुर्गो से व्यक्तिगत वार्ता करके उनके जीवन नवजीवन संचार कर दिया । वरिष्ठ समाजसेवी अभिजीत मिश्रा ने कहा आज एक साथ इतने बुजुर्गो का आशीर्वाद और स्नेह प्राप्त करके ये दीपावली हम सबके लिये मंगलकारी होगी ।अध्यक्ष लायंस क्लब विशाल गौरव सिंह भदौरिया सचिव अनूप पुरी, मनीष

चतुर्वेदी इत्यादि समस्त पदाधिकारियों ने वृद्धाश्रम में रहने वाले सभी बुजुर्गों को दीपावली के शुभ अवसर पर एक साल चादर , केला, सेब मिठाई इत्यादि का वितरण कर हर्षोल्लास के साथ दीपावली मनाई । इस अवसर पर सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान के निदेशक डॉ शीर्षेन्दु शील ''विपिन'' ने कहा कि जब समाज किसी भी समाज हित में हो रहे कार्य का इस प्रकार से सहयोग और आत्मीयता के साथ कार्य करता है तो निश्चित ही इस संस्थान के संस्थापक–प्रबन्धक डॉ सुशील चंद्र त्रिवेदी ''मधुपेश'' की संकल्पना का साकार स्वरूप हम सबके सामने दिखाई पड़ता है। वृद्धाश्रम मे रहने वाले निर्मल बाबा, गंगाचरण, प्रीति दादी , रत्ना दादी आदि सभी संवासियो ने कहा कि जब निराश्रित और अपने अपनों से दूर होने के बाद त्योहारों पर जब समाज के सुधीजन और अधिकारी अपना बहुमूल्य समय निकालकर हमारे बीच आते है तो मन मे नवीन उत्साहित से भर जाता है । कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक रूचि मिश्रा ने किया तथा आभार पारूल गुप्ता ने किया । इस अवसर पर 118 संवासी, तथा समस्त आश्रम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## शुभ समृद्धि और सौभाग्य के लिए करें लक्ष्मी–गणेश की पूजा

प्रयागराज ब्यूरो : ज्योति पर्व दीपावली पर सोमवार को शुभ, समृद्धि और सौभाग्य के लिए महालक्ष्मी और रिद्धि–सिद्धि के साथ भगवान गणेश की पूजा की जाएगी। सोमवार को कार्तिक कृष्ण पक्ष की अमावस्या शाम 5:04 बजे लग जाएगी। अमावस्या के आरंभ काल से 5:18 बजे तक द्विस्वभावीय मीन लग्न रहेगा। कारोबारियों के लिए पूजा– अर्चना का यह समय सर्वोत्तम रहेगा। ज्योतिषाचार्य अमिताभ गौड़ के मुताबिक सामान्य परिस्थिति में हर किसी के लिए पूजा का मुहूर्त स्थिर वृष लग्न में शाम 6:55 से रात 8:51 तक रहेगा। इस मुहूर्त में की गई पूजा मां लक्ष्मी की कृपा के लिए फलदायी रहेगी। विशेष पूजा का समय रात 1:23 से सुबह 3:37 बजे तक रहेगा। लक्ष्मी–गणेश पूजा का मुहूर्तः – शाम 5:04 से 5:18 बजे तक मीन लग्न में –शाम 6:55 से रात 8:51 बजे तक स्थिर वृष लग्न में महानिशा पूजा रात 1:23 से भोर में 3:37 बजे तक। झिलमिल तारों की मानिंद झालरों से सजा संगम का शहर पंच दीपोत्सव की खुशियां रविवार को संगम के शहर में छा गईं। चाहे सिविल लाइंस हो या फिर पुराने शहर का चौक, ठठेरीबाजार, चौक और कटरा के इलाके, हर तरफ ऊंची इमारतों से लेकर टॉवरों, बिजली के खंभों तक को रंग–बिरंगी झालरों से मोहक ढंग से सजा

दिया गया। खुशियों की हिलोरों के बीच फुलझड़ियां छूटने लगीं। इसी के साथ सोमवार को ज्योति पर्व दिवाली की सतरंगी छटा संगम से लेकर शहर तक छा जाएगी। छोटी दिवाली पर सांझ ढलते ही घर–घर से दीये निकाले जाने लगे। चौमुखी दीपों से यम के नाम पर ज्योति जलाई गई। इसी के साथ पूरा शहर रंग–बिरंगी लतरों की टिमटिमाहट से जगमगाने लगा। चौराहों पर झालरों की छटा बिखर गई। सिविल लाइंस में प्रतिष्ठानों की प्रकाश सज्जा देखते बनी। सुभाष चौराहे से लेकर इंदिरा भवन होते हुए पत्थर गिरजा घर के बीच के बाजार की चकाचौंध हर किसी का ध्यान खींचती रही। इसी तरह पुराने शहर में भी घर–घर को रंग–बिरंगी झालरों से सजाया गया। बच्चे आतिशबाजी में जुट गए। छतों, सड़कों की पटरियों पर आतिशबाजी की इंद्रधनुषी छटा बिखर गई।

## स्कूलों में प्रेक्टिकल एक जनवरी से : बोर्ड की तरफ से जल्द जारी होगा विस्तृत रूप से शिड्यूल

लखनऊ ब्यूरो : सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) के स्कूलों में एक जनवरी से प्रेक्टिकल परीक्षाएं होंगी। प्रोजेक्ट जमा करने व आंतरिक मूल्यांकन भी इसी तारीख से शुरू होंगे। जल्द ही बोर्ड की तरफ से विस्तृत शिड्यूल जारी किया जाएगा। कोरोना की वजह से पिछली बार दो भागों में कराए गए प्रेक्टिकल इस बार वार्षिक ही होंगे। प्रेक्टिकल में दो परीक्षक रहेंगे, एक बाहरी और एक स्कूल का। स्कूल परीक्षक को बाहरी परीक्षक के समक्ष छात्रों से प्रश्न पूछने होंगे। इस बात का ध्यान रखना होगा कि बैच में 20 से ज्यादा छात्र न [illegible] एक बैच आधे छात्रों से प्रेक्टिकल और बाकी का वाइवा होगा। छात्रों की संख्या ज्यादा होने पर कई सेशन होंगे। इन नियमों का करना होगा पालन प्रेक्टिकल वाले स्कूल में बाहरी परीक्षक से लैब का निरीक्षण कराना होगा। परीक्षा के दौरान लैब में सभी बैच की फोटो एप पर अपलोड करनी होगी। परीक्षा के अंक भी दोनों परीक्षकों को तत्काल अवार्ड ब्लैंक पर देना होगा। बैच बनाकर अंक अपलोड करने की प्रक्रिया बोर्ड की

वेबसाइट के ई परीक्षा पोर्टल पर करनी होगी। एक बार अंक अपलोड होने पर बाहरी परीक्षक उसे ओके करेगा। एक बार अंक अपलोड होने पर बदलाव नहीं हो सकेगा। अवार्ड लिस्ट और परीक्षा की कॉपियां अलग से बोर्ड को भेजनी होंगी।

## आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - **dku live** चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

## परीक्षा केंद्रों के निर्धारण हेतु 28 तक देना होगा जियो लोकेशन

प्रयागराज ब्यूरो : माध्यमिक शिक्षा परिषद हाईस्कूल और इंटर मीडिएट की बोर्ड परीक्षा 2023 की तैयारियों में जुट गया है। केंद्र निर्धारण

की गाइड लाइन जारी होने के बाद परीक्षा केंद्रों की चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है। 28 अक्तूबर डीआईओएस की ओर से गठित समिति को स्कूलों के बीच की दूरी संबंधी जानकारी जियो लोकेशन अपलोड करना है। यूपी बोर्ड परीक्षा 2023 के लिए परीक्षा केंद्र बनाए जाने के लिए दो स्कूलों के बीच की दूरी का निर्धारण करने के लिए मोबाइल एप के माध्यम से स्कूल परिसर से जियो लोकेशन अपडेट करना होता है। 28 अक्तूबर तक डीआईओएस की समिति जियो लोकेशन अपडेट करेगी। जियो लोकेशन और अन्य आाधरभूत सूचनाओं के बोर्ड की बेवसाइट पर अपलोड होने के बाद इसका जिलाधिकारी की ओर से गठित समिति इसका भौतिक सत्यापन करेगी। जिलाधिकारी की समिति को इस सूचना को 18 नवंबर तक इसका सत्यापन करेगी। बोर्ड की ओर से केंद्र निर्धारण के लिए अंतिम सात जनवरी निर्धारित की गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह के मुताबिक परीक्षा केंद्रों के सत्यापन के लिए 32 की ड्यूटी लगाई गई है। निर्धारित तिथि तक जियो लोकेशन अपडेट कर दिया जाएगा।

## श्री हनुमत जयंती महोत्सव सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। श्री हनुमत जयंती महोत्सव का आयोजन कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी सनातन धर्म आश्रम सनातन नगर चिनहट लखनऊ में सनातन धर्म परिषद एवं सनातन नगर विकास ट्रस्ट

के तत्वावधान में श्री हनुमत जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रातः श्री रामचरितमानस का पाठ एवं सायं काल विद्वानों ने श्री हनुमान जी महाराज के पावन चरित्र के विषय में व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अध्यक्षता की।

सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान परिवार की ओर से सभी देशवासियों को दीपावली गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की हार्दिक शुभकामनायें

–डॉ. सुशील चंद्र त्रिवेदी
(मधुपेश)
संस्थापक–प्रबन्धक
अल्लीपुर, हरदोई
उत्तर प्रदेश
मो0– 9452079330

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जो दूसरों को जानता है वह बुद्धिमान है, जो स्वयं को जानता है वह ज्ञानवान है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

## सम्पादकीय

# दीपावली : बाजार ब्रांड और मिट्टी के दीये

हर दीपावली अपन इसी तरह से खाली–पीली, हैप्पी–हैप्पी फील करते–कराते रहते हैं और फिर सबको डिजिटल शुभकामनाएं लेते देते रहते हैं, जिनमें कुछ नहीं लगता!

बड़े–बड़े कॉरपोरेट, उनकी बड़ी बड़ी 'ब्रांडें' विज्ञापनों के जरिये रोज फुसला रही हैं कि हे भारत के लाल! हैप्पी दीपावली! ये ले ले। वो ले ले। आधे दाम में ले ले। न पसंद आए, तो वापस कर। दूसरा ले ले, लेकिन ले ले। एक के साथ दो फ्री ले जा! पुराना मोबाइल वापस कर नया ले, 5जी वाला ले जा! ये पेंट करा। वो पंखा लगा। ये दवा ले, वो बीमा ले। मर गया तो काम आएगा, ले ले ये टीवी ले। ले ये कार ले और कुछ नहीं तो ये 'डालर' बनियान ही ले ले लेकिन ले ले! एक विज्ञापन कह रहा है कि पुराना फर्नीचर बेच डाल नए ले जा तू हैप्पी फीलकर! ये लक्ष्मी जी ले जा गणेश जी ले जा चांदी के ले जा सोने के ले जा! तेरे लिए ही पलक–पांवड़े बिछाकर बैठे हैं हम यहां!

हर दीपावली अपन इसी तरह से खाली–पीली, हैप्पी–हैप्पी फील करते–कराते रहते हैं और फिर सबको डिजिटल शुभकामनाएं लेते देते रहते हैं, जिनमें कुछ नहीं लगता! डिजिटल दीये जलाते हैं और यूट्यूब पर ओम जय लक्ष्मी मैया की आरती सुनकर अपना मन बहलाते हैं! जब–जब दीपावली आती है, तब–तब ऐसा ही 'फील' होता है और सबकी तरह दीपावली मनानी ही होती है। अलसाई धूप में बाजार जाकर एक ठो 'शुभ दीपावली' खोजनी होती है। वह पटरी की दुकानों पर लटकनों की तरह लटकी होती है! असली महिमा इस 'लटकन' की ही है! लटकन लटकी, तो दीपावली मनी समझी जाती है, नहीं तो 'नहीं मनी' मानी जाती है! मैं रेट पूछता हूं, तो हैप्पी–हैप्पी दुकानदार हैप्पी–हैप्पी तरीके से बताता है कि प्लास्टिक वाली 'शुभ दीपावली' की लटकन का रेट पचास रुपये है। मोटे कागज वाली का सौ रुपये और लाल कपड़े वाली का डेढ सौ रुपये है और जिस कपड़े की किनारियों पर चमकती गोल्डन झालर है, उसकी कीमत दो सौ रुपये है।

हर दुकान पर 'शुभ दीपावली' टंगी है, वही पैकेट में रखी है। मन ही मन कैलकुलेट कर रहा हूं, एक लटकन इतने की, फिर मिट्टी के दीये, एक बड़ा दीया इतने का, जिसे रात भर जलना है, ताकि लक्ष्मी मैया हमारे घर भी आएं और उनकी शुभता से हमारे दिन भी शुभ हो जाएं। फिर एक दीया काजल पारने के लिए चाहिए। बत्ती बनी–बनाई वाली जंचती नहीं, बत्ती बनाने के लिए देसी रुई चाहिए। फिर बिजली के नन्हे लट्टुओं की म्यूजिकल लंबी लतर भी लेनी है, ताकि बालकनी में लटककर लाल, नीली, हरी, पीली नन्ही लाइटें लुप्प–लुप्प करती रहें। फिर खील–बताशे, खांड के खिलौने, जिनमें लक्ष्मी–गणेश जी बने होते हैं, गुड़ चावल के लड्डू लेने हैं और सर्वोपरि बढ़िया से, कलात्मक से 'लक्ष्मी–गणेश जी' की युगल प्रतिमाएं लेनी हैं, ताकि पूजा पूरी की जा सके! लेकिन क्या करूं? प्रतिमाएं देखता हूं। सब एक जैसे सांचे में ढलीं, केमिकल रंगों मे रंगी हैं। मेरा 'पर्यावरण प्रिय' मन उनसे हट जाता है और मैं कच्ची मिट्टी से बनी प्रतिमा के दाम पूछता हूं, तो पाता हूं कि कच्ची मिट्टी की मूरतें और महंगी हैं। और तब महसूस करता हूं कि पर्यावरण मित्र होना मेरे बस का नहीं, यह तो उन्हीं के बस का है, जिन पर लक्ष्मी मैया की कृपा है! जेब में नहीं दाने अम्मा चली भुनाने!

भीड़ देख सोचता हूं : कहां है महंगाई? सभी 'हैप्पी–हैप्पी' हो खरीदारी कर रहे हैं! यानी हम भी हैप्पी, तुम भी हैप्पी! अमेजन भी हैप्पी, बीएमडब्लू भी हैप्पी। टाटा भी हैप्पी। बाटा भी हैप्पी। इनका काटा भी हैप्पी। बाजार भी हैप्पी। बिग बी भी हैप्पी। शाहरुख भी हैप्पी। बनियान बेचते अक्षय भी हैप्पी। पानी की टंकी बेचते सैफ–करीना भी हैप्पी और लोहे का सरिया बेचते रनवीर–आलिया भी हैप्पी...लेकिन जैसे ही मेरी जेब से एक हजार रुपये खर्च हुए, वैसे ही मेरा मन अनहैप्पी–सा होकर 'रिवर्स गियर' में चला गया और सोचने लगा कि कब से दीपावली मनाता आ रहा हूं, लेकिन 'लक्ष्मी मैया जी' की कृपा आज तक नहीं हुई! अदाणी जी पर हुई, अंबानी जी पर हुई, टाटा जी पर हुई, इस–उस पर हुई, लेकिन अपुन पर क्यों न हुई और तभी मेरे मन में लक्ष्मी मैया जी की मिथकीय कहानी का अर्थ 'डिकंस्ट्रक्ट' होने लगा कि यार, लक्ष्मी मैया जी के बारे में कहीं अपना 'आइडिया' ही तो गड़बड़ नहीं?

जरा सोच : लक्ष्मी मैया जी को पसंद है उजाला, जबकि उनके वाहन उलूक जी को पसंद है अंधेरा! है न उलटबांसी! अब जरा इसे सीधी करो यानी 'डिकंस्ट्रक्ट' करो! अर्थ खुलने लगाः लक्ष्मी मैया के वाहन उलूक जी उजाले की जगह अंधेरे में ही देख पाते हैं और हम लक्ष्मी मैया जी के आगमन के लिए उजाला किए रहते हैं, ऐसे में लक्ष्मी मैया हमारे घर पहुंचें तो कैसे? जरा विचारोः अपनी लक्ष्मी मैया जी 'लाइट–पसंद', जबकि लक्ष्मी जी के वाहन व ड्राइवर उलूक जी 'अंधेरा–पसंद'! लक्ष्मी मैया हमारे यहां पधारें तो कैसे? साफ हुआ लक्ष्मी जी की हम पर कृपा अब तक क्यों न हुई? और कर लो, जला लो दीपक, लट्टू की लड़ियां! इतनी रोशनी में उलूक जी कैसे देखें कि तुम्हारा घर कहां है? इसीलिए आज तक लक्ष्मी मैया जी तुम्हारे पर कृपालु नहीं हुई! इसमें लक्ष्मी मैया जी का कसूर क्या?

लेकिन इसमें अपने उलूक भैया जी का भी कसूर क्या? भगवान जी ने उनको जो रोल दिया, वह उसे ही तो निभाते हैं। उनको तो बनाया ही इसलिए गया है कि वे रात के अंधेरे में देख सकें और उजाले ब्लांइड–ब्लाइंड हो जाएं! और तब मेरी खोपड़ी में कहानी का अर्थ क्लीअर हुआ कि लक्ष्मी जी आज जो 'ब्लाइंड–ब्लाइंड' खेलती हैं, वह इसलिए कि उलूक महाराज की जगह अंधेरे में 'ब्लाइंड–ब्लाइंड' खेलते हैं और उनको भी उध ार ही ले जाते हैं, जहां 'ब्लांइड–ब्लाइंड' खेला जाता है जहां 'ब्लैक–ब्लैक' खेला जाता है, जहां अंधेरा–अंधेरा होता है! है न हम सचमुच के मंदबुद्धि कि अब तक इस रहस्य को न समझ सके और पीटते रहे लकीर, मनाते रहे दीये जला–जलाके रोशनी कर करके दीपावली और गाते रहे कि लक्ष्मी मैया जी अब आईं, अब आईं और इस बरस न आईं, तो अगले बरस तो आईं ही आईं...। लेकिन लक्ष्मी मैया नहीं आतीं और क्यों आएं? तुम लटकाते रहो दरवाजे पर शुभ दीपावली की लटकन, जलाते रहो रात–रात भर दीये, लेकिन अपने उलूक जी महाराज तुम्हारी और क्यों देखें। वे होते हैं उजाले में ब्लांइड–ब्लाइंड इसलिए लक्ष्मी मैया जी को वे वहीं वहीं ले जाते हैं, जहां 'ब्लाइंड–ब्लाइंड' और 'ब्लैक–ब्लैक' खेला जाता है! जब से ये समझ आया है, मैं सोच रहा हूं कि उलूक वंदना शुरू कर दूं। क्या पता, उसे सुनकर उलूक जी महाराज कुछ पसीज जाएं और लक्ष्मी मैया जी को इधर ले आएं!

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

## दिवाली के दिन खूब बिकी मिठाइयां और पटाखे : सुबह से ही बाजारों में बढ़ गई थी भीड़

प्रयागराज ब्यूरो : दीप पर्व दिवाली के मौके पर सोमवार को मिठाइयां और पटाखों की खूब बिक्री हुई। पटाखा बाजार में सुबह से ही लोगों की चहल पहल हो गई। इस दौरान शहर की सभी नामी मिठाई की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ खूब जुटी। शाम पांच बजे तक मिठाई की दुकानों पर चहल पहल रही। इस दौरान गिफ्ट करने के लिए लोगों ने ड्राई फ्रूट, चॉकलेट आदि भी खरीदे। उधर दोपहर तक सराफा, ऑटो मोबाइल एवं इलेक्ट्रानिक उत्पाद के शोरूम में खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही लगी रही। मिठाई की दुकानों पर खोवे से ज्यादा मेवों की मिठाई, मोतीचूर के लड्डू आदि की अच्छी बिक्री हुई। कामधेनू स्वीटस की चारों ही दुकानों में काफी संख्या में लोग मिठाई की खरीदारी के लिए जुटे। कामधेनू स्वीटस के इंदर मध्यान ने बताया कि इस बार पिछले वर्ष की तुलना में अच्छा बाजार गया। मिठाई के अलावा लोगों ने ड्राई फ्रूट के भी गिफ्ट पैक खरीदे। इसी तरह सैनिक स्वीट्स, नेतराम मूलचंद्र अग्रवाल, जगराम, सुलाकी लाल, अमृत स्वीटस, बीकानेर आदि मिठाई की दुकानों पर काजू कतरी, मेवा बाइट, काजू रोल, मिल्क केक आदि मिठाइयां खूब बिकी। चॉकलेट भी लोगों ने एक दूसरे को गिफ्ट करने के लिए खरीदे। 51 हजार रुपये किलो की बिकी कस्तूरी बर्फी वहीं दूसरी ओर महाजनी टोला स्थित भगवान दास प्रहलाद दास एंड संस में दिवाली के मौके पर कस्तूरी बर्फी की बिक्री हुई। 51 हजार रुपये किलो यह बर्फी भगवान

दास में सिर्फ दिवाली के दिन ही बनाई जाती है। इसमें केसर एवं कस्तूरी के मिश्रण के साथ सोने का वर्क भी लगाया जाता है। दुकान के मालिक अंकित गुप्ता ने बताया कि इसे बनाने के लिए कस्तूरी और केसर कश्मीर से ही मंगाया जाता है। महंगी होने की वजह से मिठाई चार से पांच किलो तक ही बनाया जाती है। फैंसी पटाखे की हुई जमकर बिक्री दिवाली के मौके पर पटाखा बाजार में इस बार फैंसी आतिशबाजी ज्यादा बिकी। एंग्लो बंगाली मैदान में सुबह से ही पटाखा खरीदने के लिए लोग पहुंचना शुरू हो गए। दोपहर एक बजे तक यहां भीड़ काफी हो गई। इस बार कानफोड़ू पटाखों की बिक्री पिछले कुछ वर्षों की अपेक्षा कम दिखी। पटाखा विक्रेता मो. कादिर ने बताया कि ग्रीन पटाखे लोगों ने इस बार काफी खरीदे। वहीं दूसरी ओर लक्ष्मी–गणेश की मूर्ति, लाई–लावा, खिलौने, गट्टा आदि की भी आज खूब बिक्री हुई।

## एमबीबीएस व बीडीएस में प्रवेश की नीति जारी : 28 तक पंजीयन : 29 को जारी होगी स्टेट मेरिट सूची

लखनऊ ब्यूरो : राजकीय एवं निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीति जारी कर दी गई है। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने बताया कि ऑनलाइन पंजीयन शनिवार से शुरू हो गया है, जो 28 अक्तूबर को दोपहर दो बजे तक चलेगा। प्रदेश में इस बार नीट यूजी के लिए 1.17 लाख छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। एमबीबीएस में सरकारी क्षेत्र के 35 कॉलेजों में 4303 और निजी क्षेत्र के 32 कॉलेजों में 4750 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इसके अलावा तीन सरकारी कॉलेज में 300 और निजी क्षेत्र के 24 कॉलेजों में 2600 सीटों पर बीडीएस में प्रवेश दिया जाएगा। इस तरह प्रदेश में इस वर्ष एमबीबीएस की 9053 सीट पर प्रवेश दिया जाएगा, जबकि बीडीएस की 2900 सीटें हैं। इन सीटों को भरने के लिए काउंसिलिंग शुरू हो गई है। स्टेट मेरिट सूची 29 अक्तूबर को जारी होगी। एक से चार नवंबर तक ऑनलाइन च्वॉइस भरा जा सकेगा। सात से 11 नवंबर तक काउंसिलिंग आवंटन पत्र डाउनलोड किया जा सकेगा। काउंसिलिंग में हिस्सा लेने के लिए राजकीय क्षेत्र की सीटों पर 30 हजार और निजी क्षेत्र की एमबीबीएस के लिए दो लाख और बीडीएस के लिए एक लाख सिक्योरिटी मनी जमा करनी होगी। अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रमाण पत्र एक अप्रैल 2022 के बाद का ही स्वीकार किया जाएगा। 22 कॉलेजों को नोडल केंद्र बनाया प्रमुख सचिव ने बताया कि कॉलेज आवंटन के बाद अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्रों की जांच करानी होगी। इसके लिए 22 कॉलेजों को नोडल सेंटर बनाया गया है। इसमें केजीएमयू, लोहिया संस्थान, आयुर्विज्ञान

संस्थान सैफई, जिम्स ग्रेटर नोएडा, कानपुर, आगरा, मेरठ, झांसी, गोरखपुर, प्रयागराज, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, कन्नौज, सहारनपुर, बांदा, बदायूं, अयोध्या, बस्ती, बहराइच, शाहजहांपुर एवं फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेज को नोडल केंद्र बनाया गया है। काउंसिलिंग बोर्ड का गठन नीट यूजी की काउंसिलिंग के लिए बोर्ड का गठन किया गया है। यह बोर्ड किसी तरह के विवाद अथवा समस्या का निस्तारण करेगा। बोर्ड का अध्यक्ष डीजीएमई को बनाया गया है। सदस्य के रूप में विशेष सचिव अशोक कुमार, केजीएमयू के प्रो. ऋषिपाल, प्रो. दिलीप कुमार वर्मा, डॉ. संदीप भट्टाचार्य, मेडिकल कॉलेज अंबेडकरनगर के डॉ. अमीरुल हसन को शामिल किया गया है। बोर्ड के परामर्शदाता के रूप में केजीएमयू फोरेंसिक मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप वर्मा को शामिल किया गया है। सह सदस्य के रूप में एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट मेडिकल एंड डेंटल कॉलेज के नामित सदस्य, तीर्थांकर महावीर विवि व एराज मेडिकल कॉलेज के एक–एक नामित सदस्य और एनआईसी निदेशक को शामिल किया गया है।

## 18 दिन से धरने पर बैठे मेडिकल छात्र : बोले– इस बार की दीपवाली हक की लड़ाई के नाम

वाराणसी ब्यूरो : काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) आयुर्वेद संकाय में पीजी में सीट वृद्धि की मांग और फीस वृद्धि के विरोध में ध ारना–प्रदर्शन जारी है। आंदोलनकारी छात्र धरनास्थल पर दिवाली मनाने की तैयारी कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि हम घर नहीं जाएंगे। इस बार दिवाली हक की लड़ाई के नाम होगी। दीया जलाकर और पटाखे फोड़कर बीएचयू प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएंगे। कुलपति आवास के सामने मेडिकल छात्र आयुर्वेद संकाय में पीजी में सीट वृद्धि की मांग को लेकर बीते 18 दिनों से धरने पर बैठे हैं। वहीं अधि ाष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय के पास एबीवीपी कार्यकर्ता बीते 10 दिन धरनारत हैं। इन छात्रों ने फीस वृद्धि के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने शनिवार को धरना स्थल पर ही धनतेरस मनाया था। परिषद के बीएचयू इकाई के अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह ने कहा कि बीएचयू प्रशासन द्वारा विभिन्न कोर्स की फीस एवं छात्रावास की फीस में बढ़ोतरी की गई है, जो कि छात्रों के साथ अन्याय है। मेडिकल छात्रों ने कुलपति आवास के सामने मनाई दीपावली आयुर्वेद संकाय में पीजी में सीट वृद्धि की मांग को लेकर ध ारने पर बैठे मेडिकल छात्रों ने रविवार को वीसी आवास के सामने ही दीपावली मनाई। उनका कहना है कि धरने पर बैठने के बाद भी

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही हैं। विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति आवास के सामने धरनारत छात्रों का कहना है कि लंबे समय से सीट वृद्धि का मुद्दा उठाया जा रहा है। इस पर विश्वविद्यालय प्रशासन को ठोस फैसला लेना चाहिए। अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई ऐसे में हम लोग दीपावली पर घर नहीं जाएंगे और धरना स्थल पर ही त्यौहार मनाएंगे। रविवार सुबह धरना स्थल पर ही छात्रों ने विधि विधान से धन्वंतरि पूजन भी किया।

## पिता का हत्यारा मान बैठा था रंजिश : दिवाली से पहले कर दी उसके चार साल के बच्चे की हत्या

आगरा ब्यूरो : आगरा एत्माद्दौला थाना क्षेत्र के शंभू नगर में चार साल के बच्चे की हत्या के मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी ने घर के बाहर से बच्चे को अगवा किया था। उसके सीने में गोली मारकर शव को कालिंदी विहार में एक हौद में फेंक दिया। हत्याकांड के बाद आरोपी युवक बच्चे के पिता के साथ उसे तलाशने का नाटक करता रहा। बाद में खुद ही शव बरामद करा दिया। शक होने पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। घटना के पीछे भंडारे का प्रसाद बनाने का विवाद सामने आया है। इकलौता बेटा था गोल्डी शंभू नगर निवासी बबलू दक्ष का हलवाई का काम है। उन्होंने बताया कि गोल्डी उनका इकलौता बेटा था। गोल्डी शनिवार शाम को छह बजे घर के बाहर खेल रहा था। रात आठ बजे तक वो घर के अंदर नहीं आया। इस पर परिजन बाहर तलाश करने गए, लेकिन वो मिला नहीं। वहीं बबलू के साथ न्यू कृष्णा नगर निवासी बंटी भी काम करता है। वह भी गोल्डी की तलाश करने में आ गया। बबलू ने पुलिस को बताया कि बंटी ने उसे बताया कि एक भगत से पता चला है कि गोल्डी कालिंदी विहार में है। रात तकरीबन 12:30 बजे वह उन्हें उसी स्थान पर ले गया, जहां बेटे का शव पड़ा था। शव हौद में पड़ा मिला। उसके पास ही तमंचा भी था। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने तमंचा कब्जे में ले लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्रसाद बनाने को लेकर विवाद पुलिस ने बंटी को हिरासत में लिया था। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि बंटी और बबलू साथ काम करते थे। सवा महीने पहले उन्हें एक काम मिला था। इसमें भंडारे का प्रसाद बनाना था। बबलू ने बंटी से भी प्रसाद बनाने के लिए रकम देने के लिए कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया। इस पर दोनों में विवाद हो गया। इस पर उनमें ठन गई थी। बबलू और बंटी में

बातचीत बंद हो गई थी। इसी विवाद में बंटी ने बबलू से बदला लेने का प्लान बनाया। इसमें अपने साथी टिंका को शामिल कर लिया। बबलू नहीं मिला तो बेटे को ले गए पुलिस की पूछताछ में पता चला कि बंटी रोजाना बबलू की गली में आता था। चक्कर काटकर चला जाता था। वह शनिवार शाम को अपने साथी मैनपुरी निवासी टिंका के साथ आया था। वह शंभू नगर में ही किराये पर रहता है। बंटी जब आया तो बबलू घर में नहीं था। उसका बेटा घर के बाहर खेल रहा था। बंटी ने पहले उसे चॉकलेट दिलाई। उसे बाइक पर बैठाकर ले गया। उसके सीने में गोली मारकर हत्या कर शव हौद में फेंक दिया। इसके बाद उसे तलाशने का नाटक करने लगा। टिंका हत्या के मामले में जेल जा चुका है। वह हाल ही में जमानत पर छूटकर आया है। हत्याकांड के पीछे रंजिश एसपी सिटी विकास कुमार ने बताया कि मामले में अज्ञात में अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था। दो संदिग्धों से पूछताछ की गई है। हत्याकांड के पीछे रंजिश की बात सामने आई है। घटना का जल्द खुलासा किया जाएगा। दिवाली पर बुझा दिया घर का चिराग पिता से विवाद में बेटे को मार दिया गया। दिवाली पर परिवार में मातम छा गया। हर कोई एक ही बात कह रहा था कि आरोपियों ने घर का चिराग बुझा दिया। बबलू का बिट्टू इकलौता बेटा था। उनकी एक बेटी और है। बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ। मां और पिता सदमे में हैं। उन्हें रिश्तेदार संभाल रहे हैं।

## 24 घंटे बाद बहाल हुआ रेल संचालन : घंटों लेट रहीं ट्रेनें : यात्री हुए परेशान

प्रयागराज ब्यूरो : प्रयागराज मंडल के फतेहपुर के निकट हुए मालगाड़ी हादसे के बाद कानपुर–प्रयागराज रेलखंड पर 24.30 घंटे बाद रेल संचालन बहाल हो सका। इस वजह से संबंधित रूट पर चलने वाली तमाम ट्रेनें सोमवार को घंटों विलंब से पहुंची। ट्रेनों के विलंब से आने की वजह से यात्रियों को भी काफी परेशानी हुई। दिवाली के मौके पर तमाम लोग समय से अपने घर भी नहीं पहुंच सके। उधर इस मामले में रेल प्रशासन ने उच्च स्तरीय जांच कराने का निर्णय लिया है। दरअसल रविवार की सुबह ही फतेहपुर के निकट रमवा रेलवे स्टेशन के यार्ड पर एक मालगाड़ी के 29 वैगन पटरी से उतर गए थे। इस घटना के बाद दिल्ली–हावड़ा रूट के प्रयागराज–कानपुर रेलखंड पर रेल संचालन बाधित हो गया। बाद में रेलवे प्रशासन द्वारा संबंधित रूट की कई ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया, जबकि आधा दर्जन से अधिक ट्रेनें निरस्त कर दी गई। इस दौरान दो दर्जन से ज्यादा ट्रेनें ईस्टर्न डेडीकेटेड फेट कॉरीडोर से निकाली गई। कुछ ट्रेने वाया लखनऊ, तो कुछ बांदा एवं ऊंचाहार के रास्ते संचालित की गईं। रविवार

दोपहर से वहां मालगाड़ी के वैगन को पटरी से हटाने का कार्य शुरू हुआ। सोमवार सुबह आठ बजे अप लाइन रेल संचालन के लिए खोली गई। इस दौरान सबसे पहले 22811 भुवनेश्वर–नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सुबह 8.20 बजे रमवा स्टेशन से पास हुई। हालांकि डाउन लाइन से सुबह 11.02 बजे मालगाड़ी निकाली गई। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि रात भर मौके पर रेलकर्मी जुटे रहे। फिलहाल दोनों लाइन पर अब रेल संचालन बहाल हो गया है। उन्होंने कहा कि हादसे की वजह से 24 घंटे संबंधित रूट पर रेल संचालन बाधित रहा। इस वजह से इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच होगी।

## शिव की नगरी में पूजे गए संकटमोचक : मंदिरों में लगी भक्तों की कतार : गूंजा जय श्री राम

वाराणसी ब्यूरो : प्रभु श्रीराम के अन्नय भक्त, वीरता व त्याग के पर्याय शिव के अवतार महाबली हनुमान के जन्मोत्सव पर शिव की नगरी में चहुंओर भक्तिमय माहौल है। बड़ी संख्या में लोगों ने हनुमान जी के दर पर मत्था टेका। उन्हें लड्डू, तुलसी की पत्ती, माला–फूल, सिंदूर अर्पित करके समस्त कष्ट हरने की कामना की। महाबली हनुमान के जन्मोत्सव पर जय हनुमान ज्ञान गुणसागर, जय कपिश तिहुं लोक उजागर... की गूंज मंदिरों के साथ गलियों और चौराहों पर भी गूंजी। संकट मोचन समेत शहर के अन्य हनुमान मंदिरों में सुबह शुरू हुआ दर्शन–पूजन का दौर देर रात तक चलेगा। संकट मोचन मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रातःकाल मंदिर में संकटमोचन को गंगाजल से स्नान के उपरांत नवीन वस्त्र धारण कराया गया। इसके उपरांत हनुमान जी का तुलसी, कमल, गुलाब और गेंदा के फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। संकटमोचन की भव्य आरती उतारी गई। मंदिर के कपाट दर्शन के लिए खोल दिए गए। सुबह से ही अनवरत कतार लगी है। काशी विश्वनाथ धाम स्थित अक्षयवट मंदिर में पवन पुत्र का विधि–विधान से जन्मोत्सव मना। प्रभु का पुष्पों से श्रृंगार किया गया। अक्षयवट

हनुमान को लड्डू का भोग और सिंदूर अर्पित कर भक्तों ने आशीष लिया। हनुमान घाट स्थित बड़े हनुमानजी की झांकी और दुर्गाकुंड स्थित बनकटी हनुमान, अर्दली बाजार स्थित महावीर मंदिर में भव्य झांकी सजाई गई। चेतसिंह किला स्थित दक्षिणमुखी हनुमान, मैदागिन स्थित पातालेश्वर हनुमान समेत जिले के प्रतिष्ठित मंदिरों में विशेष शृंगार के साथ ही पूजन–अर्चन किया गया।

# थाना बदलापुर पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बदलापुर व प्र0नि0 बदलापुर जौनपुर के पर्यवेक्षण में उ0नि0 अनिल कुमार मय हमराह का0 छ्द्दू यादव के द्वारा मु0अ0सं0 280/22 धारा 363/354 भा0द0वि0 व 7/8 पाक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त अभिषेक तिवारी पुत्र राजेश तिवारी नि0 सियरावासी थाना खुटहन जनपद जौनपुर को मुखबीर की सूचना पर थाना बदलापुर क्षेत्र अंतगर्त बटाऊबीर चौराहे से आज दिनांक 23.10. 2022 गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता– 1.अभिषेक तिवारी पुत्र राजेश तिवारी नि0 सियरावासी थाना खुटहन जनपद जौनपुर। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि0 अनिल कुमार चौकी प्रभारी घनश्यामपुर थाना बदलापुर जनपद जौनपुर । 2. का0 छ्द्दू यादव थाना बदलापुर जनपद जौनपुर।

# थाना खुटहन पुलिस ने एसटी एससी एक्ट से संबंधित एक वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराध एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज के मार्गदर्शन व प्र0नि0 खुटहन श्री किशोर कुमार चौबे के कुशल नेतृत्व मे उ0नि0 श्री राम भवन यादव मय हमराही कर्मचारी गण की सहायता से दिनांक 23.10. 2022 को मु0अ0सं0–263/22 धारा 147/323/ 504/ 506/376 भादवि व 3(2)(ट) एसटी/एससी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त सरफराज खान पुत्र स्व0 मुस्तफा खां निवासी ख्वाजापुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर को दिन मे सेवई नाला पुल तबेला ग्राउन्ड थाना खुटहन जौनपुर से गिरफ्तार कर अभियुक्त सरफराज खान उपरोक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए संबंधित न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता– 1. सरफराज खान पुत्र स्व0 मुस्तफा खां निवासी ख्वाजापुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर। अपराधिक इतिहास 1. मु0अ0सं0–263/22 धारा 147/ 323/504/ 506/376 भादवि व 3(2)(ट) एसटी/एससी एक्ट थाना खुटहन जनपद जौनपुर। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि रामभवन यादव थाना खुटहन जनपद जौनपुर। 2.उ0नि0 राजित राम यादव थाना खुटहन जनपद जौनपुर। 3.का0 सुनील सिंह, का0 अभय राव थाना खुटहन जनपद जौनपुर।

## थाना शाहगंज पुलिस ने जुआ खेल रहे 06 अभियुक्तो को किया गिरफ्तार : कब्जे से ताश के पत्ते व कुल 1700 रूपये नगद बरामद

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक 22–10–2022 को प्रभारी निरीक्षक शाहगंज एवं हमराही कर्मचारीगण द्वारा ग्राम ताखा पश्चिम के सिवान में जुआ खेल रहे 06 अभियुक्तों मोरेन्द्र मौर्या पुत्र रामलाल मौर्या 2. रामानन्द भारती पुत्र स्व0 फिरतू भारती 3. जयप्रकाश भारती पुत्र बालदेव 4. चन्द्रभान भारती पुत्र हनुमान भारती 5. शिवपूजन भारती पुत्र 6. सूरजभान भारती पुत्र हनुमान भारती निवासीगण ताखा पश्चिम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तगण उपरोक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 291/2022 धारा 13 जुआ अधिनियम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर पंजीकृत करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पताः– 1.मोरेन्द्र मौर्या पुत्र रामलाल मौर्या निवासी ग्राम ताखा पश्चिम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 2.रामानन्द भारती पुत्र स्व0 फिरतू भारती निवासी ताखा पश्चिम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 3.जयप्रकाश भारती पुत्र बालदेव निवासी ताखा पश्चिम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 4.चन्द्रभान भारती पुत्र हनुमान भारती निवासी ताखा पश्चिम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 5. शिवपूजन भारती पुत्र राममिलन निवासी ताखा पश्चिम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 6. सूरजभान भारती पुत्र हनुमान भारती निवासी ताखा पश्चिम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। पंजीकृत अभियोग– 1.मु0अ0सं0 291/2022 धारा 13 जुआ अधिनियम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। बरामगदी–1.ताश के 52 पत्ते 2.कुल 1700 रूपये नगद । गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1.प्रभारी निरीक्षक श्री सदानन्द राय थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 2.का0 अनिल कुमार निषाद, का0 कुन्दन कुमार, का0 विनोद कुमार यादव, का0 अक्षय कुमार, का0 बृजेश मिश्रा, का0 अंकुश कुमार सिंह थाना शाहगंज जनपद जौनपुर।

## थाना सरायख्वाजा पुलिस ने 02 वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन में शासन द्वारा अपराध एवं अपराधियो की गिरफ्तारी व वाछिंत अभियुक्तगणो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 203/22 धारा 420/467/468/120बी भादवि थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर के वाछिंत अभियुक्तगण 1.राजाराम यादव पुत्र सलगू यादव नि0 कोपा थाना चन्दवक जनपद जौनपुर 2. प्रवेश कबाडी पुत्र शोभनाथ नि0 गम्भीरपुर थाना गम्भीरपुर जनपद आजमगढ को आज दिनांक 23.10. 2022 को कुतुपुर खाना खजाना होटल के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त गण उपरोक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम व पता– 1.राजाराम यादव पुत्र सलगू यादव नि0 कोपा थाना चन्दवक जनपद जौनपुर उम्र 34 वर्ष 2. प्रवेश कबाडी पुत्र शोभनाथ नि0 गम्भीरपुर थाना गम्भीरपुर जनपद आजमगढ उम्र 34 वर्ष आपराधिक इतिहास 1.मु0अ0सं0 203/22 धारा 420/467/468/120बी भादवि थाना सरायख्वाजा जौनपुर। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम– 1.व0उ0नि0 अवधनाथ यादव थाना सरायख्वाजा जौनपुर। 2.का0 आनन्द चौधरी, का0 पवन चौहान थाना सरायख्वाजा जौनपुर।

# भीड़ के आगे छोटी लगी बसें : ट्रेनों में नहीं मिली सीट

अलीगढ़ ब्यूरो : दीपावली और छठ पूजा को लेकर घर जाने वाले यात्रियों को रविवार को वाहनों की कमी से जूझना पड़ा। भीड़ के दबाव में रोडवेज की त्योहार पर अतिरिक्त बसें चलाने की योजना धराशाही हो गई। यात्रियों को वाहनों की तलाश में घंटों भटकना पड़ा। खासकर महिलाओं और बच्चों को लेकर घर जाने वाले नौकरीपेशा लोगों को बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उन्हें बसों और ट्रेनों में सवार होने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी। बसों के इंतजार में यात्री घंटों भटकते रहे। जब बसें पहुंची भी तो उनमें पहले से ही काफी भीड़ थी और पैर रखने भर तक की जगह नहीं थी। दीपावली को लेकर रोडवेज ने दिल्ली, नोएडा, अलीगढ़ कानपुर रूट पर अतिरिक्त बसें चलाने की घोषणा की थी। यह योजना दम तोड़ती नजर आई। यह दावा यात्रियों की उमड़ी भीड़ के आगे खोखला ही साबित होता नजर आया। सर्वाधिक भीड़ वाले हाथरस, आगरा, एटा, कासगंज, मथुरा, कानपुर, बरेली, मुरादाबाद के अलावा लोकल रूटों पर जाने वाले यात्रियों को घंटों इंतजार में भटकना पड़ा। एआरएम रोडवेज वाईपी सिंह का दावा है कि दिल्ली–कानपुर रूट पर 300 बसें चलायी जा रही हैं। कुछ बसों के फेरे भी बढ़ाए गए हैं। लोकल रूटों पर यात्रियों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसों का संचालन कराया जा रहा है। हाथरस की सवारियां न ले जाने पर यात्रियों का हंगामा बसों में भीड़ के चलते यात्री वैसे ही परेशान हैं, रही सही कसर बसों के चालक–परिचालकों की मनमानी से पूरी हो रही है। खासकर हाथरस जाने और वहां से शहर में आने वाले यात्रियों को इन

दिनों बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार की देर रात भी गांधीपार्क बस स्टैंड पर हाथरस जाने वाले यात्री घंटों परेशान घूमते रहे। जबकि बस स्टैंड पर आगरा फाउंड्रीनगर, ताज डिपो की दो बसें खड़ी हुई थीं। यात्रियों ने बस के चालक–परिचालकों से बस में बिठाने को कहा तो वे भड़क गए। यहां तक की स्टेशन के ड्यूटी इंचार्ज के कहने के बाद भी उन्होंने सवारियों को बस में नहीं बिठाया। इस पर यात्रियों ने जमकर हंगामा करना शुरू कर दिया। रात में ही उन्होंने रोडवेज अफसरों से इसकी शिकायत की। हाथरस के दैनिक यात्रियों का कहना है कि उन्हें रोडवेज बस स्टाफ की मनमानी से आवागमन में बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेनों में सीटों को लेकर मारामारी, मारपीट तक की नौबत दीपावली पर बसों के साथ ही ट्रेनों में यात्रियों की खूब भीड़ देखने को मिल रही है। सीटों को लेकर उनमें जमकर मारा–मारी भी देखने को मिली। दिल्ली से आने वाली ईएमयू पैसेंजर ट्रेनों में तो छतों तक यात्री सवार थे। बरेली पैसेंजर, गोमती, महाबोधि, नंदनकानन समेत तमाम एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों में बैठने भर तक की जगह नहीं थी।

# मां शारदा मैहर देवी मंदिर में मनाई गई हनुमान जयंती

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री मां शारदा शक्तिपीठ प्रांगण के प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती मनाई गई । इस अवसर पर सुबह से भगवान बजरंगबली का भव्य श्रृंगार के पश्चात हरि कीर्तन का जाप प्रारंभ हुआ । जो देर रात तक चलती रहे हरी कीर्तन में भाग लेने वाले रमेश चंद्र दुबे, श्रवण कुमार शुक्ला, राकेश कुमार दुबे, गुल्लू, हवलदार ने अपने–अपने स्वरों में संगीत के साथ हरि कीर्तन किया । जिसमें "हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्णकृष्ण हरे हरे" के महामंत्र द्वारा पूरा मंदिर परिसर गूंजमान हो गया । मंदिर परिसर मैं भारी संख्या में भक्तों ने राम भक्त हनुमान के दर्शन हेतु प्रातः काल से देर रात तक आते रहे। पवन पुत्र अंजनी के लाल राम भक्त हनुमान जी का जन्मोत्सव रात्रि 8:00 बजे मनाया गया। जिसमें भगवान बजरंगबली की श्रृंगार आरती मंदिर के वरिष्ठ पुजारी रामचंद्र दास जी ने विधिवत पूर्वक किया । मंदिर परिसर में भक्तों के लिए कढ़ी चावल प्रसाद दिन भर बांटे गए, इसका संचालन मंदिर प्रबंध कारिणी ट्रस्ट द्वारा किया गया । हनुमान जयंती प्रतिवर्ष दीपावली के 1 दिन पहले मनाया जाता है इसे छोटी दीपावली बोलते हैं इस अवसर पर प्रबंधक आशुतोष जायसवाल, कलाविद एवं ट्रस्टी रविकांत जायसवाल, रोहित जायसवाल, सुशील जायसवाल देवी पुजारी ओमप्रकाश तिवारी उपस्थित रहे।

# थाना गौराबादशाहपुर पुलिस ने एक वारण्टी को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध व वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन मे थाना गौराबादशाहपुर पुलिस बल द्वारा निर्गत वारंट मान0 ग्राम न्यायालय केराकत जौनपुर के आदेश के क्रम मे मु0न0 541/20 धारा 323/504 भा0द0वि0 से सम्बंधित वारंटी दिनेश हरिजन पुत्र सियाराम नि0 कुछमुछ थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर को घर से दिनांक 23.10.2022 को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार शुदा वारण्टी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार वारण्टी का नाम व पता– 1.दिनेश हरिजन पुत्र सियाराम नि0 कुछमुछ थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि0 मोहनलाल यादव थाना गौराबादशाहपुर, जौनुपर।

## होमगार्ड के जवानों की दीपावली अन्धेरे में

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिले के होमगार्ड के जवानों की दीपावली अन्धेरे में बीतने वाली है, ये जवान अपना खून पसीना बहाकर विधानसभा 2022 चुनाव सम्पन्न कराया लेकिन आज तक उनका पारश्रमिक

आज तक नही मिला। इन जवानों को पूरा भरोषा था कि दीपावली से हम लोगों का भुकतान हो जाएगा तो हमारा नही हुआ। आज कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचे एक दर्जन से अधिक होमगार्ड ने अपनी पीड़ा मीडिया को सुनाई। सभी ने कहा कि हम लोगो एक महीने अपना घर छोड़कर पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य किया । चुनाव बीतने के बाद हम लोग अपने भुकतान होने की राह देख रहे है हमे पूरा विश्वास था कि दीपावली के मौके पर पैसा मिल जायेगा लेकिन आज तक भुकतान न होने से मेरे घर मे उजाला होना मुश्किल हो गया हैं। इस मौके पर रामधनी , उदयराज पाल, महेंद्र यादव, राधेश्याम, राजबली यादव, जयप्रकाश सिंह, सुनील तिवारी , फिरतू राम समेत कई होमगार्ड मौजूद रहे।

# दावे के बीच लगे कूड़े के ढेर : सोशल मीडिया पर खुली पोल

अलीगढ़ ब्यूरो : कहने को नगर निगम ने दिवाली के त्योहार पर शहर की साफ–सफाई के लिए खासे इंतजाम किए हैं। दावों पर गौर करें तो टीमें जोन वार भ्रमण करते हुए कूड़ा उठा रही हैं। हालांकि ऐसा होता दिख भी रहा है। शहर में रात में भी कूड़ा उठ रहा है और दिन निकलते ही कूड़ा उठता दिखता है। मगर रविवार को इन दावों की शहर में लगे कूड़े के ढेरों ने पोल खोल दी और ये कूड़े के ढेर सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल किए गए। शहर में वैसे तो दिन में और रात में कूड़ा उठाने का काम किया जा रहा है। त्योहार पर इसे लेकर विशेष अभियान चल रहा है। मगर रविवार को शहर के रेलवे रोड, पला रोड, नौरंगाबाद, सुरेंद्र नगर, शीशियापाड़ा आदि स्थानों पर लगे कूड़े के ढेर नगर निगम के इन प्रयासों और दावों पर नाकाफी दिखाई दिए। लोगों ने इन कूड़े के ढेरों के फोटो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल करते हुए नगर निगम के प्रति त्योहार पर जमकर टीका टिप्पणी की। हालांकि नगर निगम की ओर से कहा गया कि तड़के सफाई के बाद कूड़ा बाहर आया था, जिसे बाद में हटवा दिया गया।डायवर्जन के बाद भी पुराने शहर में भीड़ से लगा रहा जाम पुलिस स्तर से सुरक्षा व यातायात के बेहतर इंतजाम त्योहार पर किए गए हैं। मगर पुराने शहर में रविवार को त्योहारी भीड़ के चलते दिन भर जाम के हालात रहे। सबसे अधिक अव्यवस्था आगरा रोड, जयगंज, रेलवे रोड, महावीरगंज, फूल चौराहा आदि इलाकों में रहे। यहां यातायात पुलिसकर्मी भी भीड़ के आगे बेबस दिखाई दिए और दिन भर यातायात को व्यवस्थित कराने के लिए प्रयास करते रहे। इधर, सेंटर प्वाइंट व रामघाट रोड पर जरूर कुछ राहत दिखी। सेंटर प्वाइंट पर चौपहिया वाहनों का प्रवेश सभी ओर से बंद होने के कारण यातायात व्यवस्था दुरुस्त दिखी।

# डीआईजी–एसएसपी सहित जिला पुलिस ने बांटी खुशियां

अलीगढ़ ब्यूरो ब्यूरो : दिवाली पर हर बार की तरह इस बार भी डीआईजी दीपक कुमार, एसएसपी कलानिधि नैथानी सहित जिला पुलिस ने खुशियां बांटते हुए अनाथों, बेघरों और दिव्यांगों के बीच उपहार बांटे। इस दौरान खुद डीआईजी–एसएसपी जमालपुर स्थित मिशनरी ऑफ चौरिटी मदर टेरेसा गए। जहां उन्होंने अनाथों/दिव्यांगों के बीच मिठाई, मोमबत्ती, दीपक, फल व अन्य उपहार वितरित किए। इसके अलावा जिले भर में थाना प्रभारियों के स्तर से इसी तरह उपहार वितरित किए गए। सासनी गेट इलाके में सीओ प्रथम के साथ एसओ सासनी गेट आदि ने यह उपहार वितरित किए। इस तरह दिन भर जिला पुलिस की टीमें अलग–अलग लोगों के बीच जाकर उपहार बांटकर खुशियां बांटती रहीं। इन उपहारों को पाकर लोग बेहद खुश हुए और पुलिस द्वारा दिवाली मनवाने पर आभार

जताया। इस मौके पर एसपी सिटी कुलदीप सिंह गुणावत, सीओ तृतीय श्वेताभ पांडेय भी डीआईजी–एसएसपी संग मौजूद रहे।

## फूलों की बढ़ी मांग : लक्ष्मीजी के प्रिय कमल की कीमत 100 के पार

अलीगढ़ ब्यूरो : कोरोना संक्रमण के बाद से फूलों के मंदे बाजार में नवरात्र के बाद से तेजी देखने को मिल रही है। दीपोत्सव आते ही फूलों की कीमतें दो गुने से लेकर तीन गुना तक बढ़ गई हैं। अच्छी बिक्री होने से फूल विक्रेताओं के चेहरे खिल गए हैं। मांग के अनुरूप बंपर तरीके से हुई खरीद से कई जगह तो फूलों की कमी भी हो गई। दीपों के उत्सव में घर–प्रतिष्ठान आदि को सजाने की वर्षों से परंपरा चली आ रही है। इसमें घर के द्वार पर बंदनवार, फूलों की माला, अशोक के पत्तों से बनी लड़ी से सजावट आकर्षक सजावट की जाती है। ऐसे में लोग दीपोत्सव में पूजा स्थल से लेकर मुख्यद्वार तक फूलों से घर और प्रतिष्ठान को सजाते हैं। त्योहार पर गरीबों के घर में भी खुशियां आएं इसको लेकर लोग फूल, अशोक की पत्तियां, गुलाब और कमल के फूलों की खरीदारी कर रहे हैं। धनतरेस और छोटी दिवाली (नरक चतुर्थी ) पर फूलों की काफी मांग देखी गई। फूलों की कीमतें दोगुनी से लेकर तीन गुनी तक जा पहुंची हैं। आम दिनों में थोक बाजार में छोटा गेंदा 80 से 110 रुपये प्रति किलो एवं बड़ा गेंदा 160 से 180 रुपये किलो तक चल रहा था। नवरात्र में भी इसमें तेजी देखने को मिली थी। कुछ दिन तक सामान्य रहने के बाद अब फिर से फूलों के बाजार में तेजी देखने को मिल रही

है। अब छोटा गेंदा 150 रुपये किलो, बड़ा गेंदा 250 के पार पहुंच गया है। सोमवार को दीपावली पर इनकी कीमतें और भी बढ़ जाने की संभावना है। गुलाब 400 रुपये से लेकर 450 रुपये किलो तक जा पहुंचा है। लक्ष्मी जी को सबसे अधिक प्रिय कमल के एक फूल की कीमत 90 से लेकर 110 रुपये तक जा पहुंची है। सफेद रंग के गुलदाउदी के फूल की कीमत भी 200 रुपये प्रति किलो हो गई। अशोक की पत्तियों की लड़ी 60 रुपये लेकर 120 रुपये किलो तक जा पहुंची है। इसके बावजूद लोग दिल खोलकर फूल–पत्तों की खरीदारी कर रहे हैं । फूल विक्रेता सोमेश, अनिकेत सैनी, बालकिशन का कहना है कि इस बार बारिश से फूलों की खेती में काफी नुकसान हुआ है, जिससे थोक एवं खुदरा कीमतों में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। भारी मांग को लेकर सोमवार को फूलों की कीमतों में और भी वृद्धि होना तय माना जा रहा है।

# बाजारों में लौटी रौनक : खूब बिके गहने और बर्तन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : पौराणिक कथाओं के अनुसार धनतेरस और दीपावली का महत्व आदिकाल से चला आ रहा है। विजय प्राप्ति के बाद प्रायः दीप जलाये जाते थे जो दीपावली का ही प्रतीक रहा। दीपावली के दो दिन पहले धनतेरस के रूप में भगवान कुबेर की पूजा करके धन, समृद्धि की कामना की जाती है। लोक परम्परानुसार उक्त तिथि पर आभूषण से लेकर बर्तन और साफ–सफाई के लिए झाड़ू तक की खरीदारी होती है। शनिवार को जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीणांचल की बाजारों में भीड़ ज्यादा रही। गहने की दुकानों पर जहां खरीदारी जोरों पर हो रही थी वहीं बर्तनों की दुकानों पर भी विभिन्न प्रकार के बर्तन खरीदे गये। इसी के साथ–साथ धनरतेस का पर्व शनिवार को पडने के कारण वैदिक रीति–रिवाज से पूजा भी की जायेगी। ज्योतिषी पंडित अखिलेश मिश्र के अनुसार शनिवार को धनतेरस होने के कारण यह तिथि अतिमहत्वपूर्ण है। धन पर शनि का प्रभाव न पड़े, इस उद्देश्य से भी अधिसंख्य हिंदू व्रत के साथ कुबेर और शनिदेव का पूजा अवश्य की जायेगी। धनतेरस और दीपावली की बात की जाये तो त्रेता युग में भगवान रामचन्द्र और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण सगे–संबंधियों के साथ दीपावली पर्व पर भगवान कुबेर का पूजा–पाठ किये थे। किदवंती के अनुसार समाज का हर वर्ग छोटा हो या बड़ा, गरीब या अमीर धन प्राप्ति के लिये इस तिथि पर अपनी हैसियत के हिसाब से पूजा–पाठ कर दान–दक्षिणा तक देते हैं। शनिवार को प्रातः काल से खरीदारी का जो सिलसिला शुरू हुआ वह देर शाम तक चलता रहा। इसी तरह जिले की अन्य तहसील मुख्यालयों पर बड़ी बाजारों में भी गहना, कपड़ा, बर्तन और मिठाई की खरीदारी जोरों पर होती रही। भक्त सुख, समृद्धि और धन के लिए धनतेरस पर देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। कई अन्य धार्मिक त्योहारों की तरह, धनतेरस भी कुछ लोकप्रिय हिंदू पौराणिक उपाख्यानों से जुड़ा है। धनतेरस पर क्यों खरीदी जाती है झाड़ू ? इस बार धनतेरस का त्योहार दो दिन मनाया जा रहा है। 22 अक्तूबर को शाम 6 बजे त्रयोदशी तिथि लग जाएगी और फिर प्रदोष काल मुहूर्त में पूजा और खरीदारी हो सकेगी। वहीं उदया तिथि के आधार पर 23 अक्तूबर 2022 धनतेरस मनाया जाएगा। धनतेरस पर सोने–चांदी के सिक्के और आभूषणों की खरीदारी की जाती है। इसके अलावा धनतेरस पर मां लक्ष्मी की सबसे प्रिय चीज झाड़ू भी खरीदी जाती है। माता लक्ष्मी को साफ–सफाई और सुंदरता बहुत ही प्रिय होती है। जहां साफ–सफाई और सजावट होती है वहां

पर मां लक्ष्मी का वास होता है। इसलिए धनतेरस पर झाड़ू खरीदी जाती है। वास्तुशास्त्र में झाड़ू को लक्ष्मीजी का प्रतीक माना गया है। इसलिए यदि झाड़ू को ठीक ढंग से न रखा जाए तो इसका दुष्प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। बाजार में बर्तनों की खरीदारी की बात करें तो नगर के प्रतिष्ठित दुकान भारत ग्लास हाउस पर भी भीड़ पूरे दिन जमा रहे लोगों ने जमकर खरीदारी किया वहीं भारत ग्लास हाउस के प्रोपराइटर बनवारी लाल ने बताया कि इस वर्ष रिकॉर्ड तोड़ो खरीदारी हुई है बीते कई सालों का जो नुकसान था वह इस वर्ष लगभग बराबर हो गया है लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है दुकान पर भीड़ लगी हुई है। इसी क्रम में नगर के प्रतिष्ठित स्वर्ण आभूषण के विक्रेता गहना कोठी पर भी स्वर्ण आभूषणों को खरीदने के लिए भारी भीड़ लगी रही लोगों ने जमकर खरीदारी किया गहना कोठी के प्रोपराइटर विनीत सेठ ने बताया कि इस बार सोने के दामों में थोड़ा कमी है लेकिन बीते वर्षो की बात करें तो इस वर्ष लोगों ने जमकर खरीदारी किया है लोगों में उत्साह भी देखा जा रहा है हमारी दुकान पर ग्राहक पूरी तरह से संतुष्ट हैं। बालाजी ज्वेलर्स पर भी लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है लोग जमकर सोने चांदी के बर्तनों और आभूषणों की खरीदारी कर रहे हैं। बालाजी ज्वेलर्स के प्रोपराइटर विकसित ने बताया कि करुणा काल के बाद भी लोगों में खासा उत्साह लोग जमकर खरीदारी करते हैं बीते 2 वर्षों का रिकॉर्ड टूटा है। रुहट्टा स्थित हरिओम ज्वेलर्स पर भी ग्राहकों की काफी भीड़ देखी जा रही है।दुकान के मालिक दिलीप कुमार ने बताया कि इस वर्ष दुकानों की रौनक लौट आयी है।लोग खरीदारी कर रहे।दुकान पर ग्राहकों की भीड़ जमा है।महँगाई का कोई असर नहीं है। गणेश लक्ष्मी की दुकानों पर सजे हुए हैं लोग माल आपको और गणेश लक्ष्मी की प्रतिमाएं भी जमकर खरीद कर रहे हैं।

# अयोध्या भारत की महान सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब –पीएम मोदी

अयोध्या ब्यूरो : अयोध्या का विकास नए आयाम छू रहा है इस अवसर पर पीएम ने विपक्ष को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कहा, एक समय था जब राम का नाम लेने से भी बचा जाता था, राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए जाते थे। उसका परिणाम क्या हुआ। हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक स्थान पीछे छूटते चले गए। हम यहीं अयोध्या के रामघाट पर आते थे तो दुर्दशा देखकर मन दुखी हो जाता था। काशी की तंगहाली, गंदगी परेशान कर देती थीं। जिन स्थानों को हम अस्तित्व का प्रतीक मानते थे, जब वही बदहाल थे तो देश के उत्थान का मनोबल अपने आप टूट जाता था। उन्होंने कहा कि बीते 8 वर्षों में देश ने हीन भावना की बेड़ियों को तोड़ा है। हमने भारत के तीर्थों के विकास की समग्र नीति को सामने रखा है। हमने राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम से लेकर केदारनाथ, महाकाल–महालोक तक घनघोर उपेक्षा के शिकार हमारे गौरव को पुनर्जीवित किया है। एक समग्र प्रयास कैसे समग्र विकास का जरिया बन जाता है। आज देश इसका साक्षी है। आज अयोध्या के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपए की नई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। सड़कों का विकास हो रहा है, चौराहों, घाटों का सौंदर्यीकरण हो रहा है। नए इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहे हैं। अयोध्या का विकास नए आयाम छू रहा है। अयोध्या में रेलवे स्टेशन के साथ–साथ वर्ल्ड क्लास एयरपोर्ट का विकास भी किया जाएगा। यानी कनेक्टिविटी और पर्यटन का लाभ पूरे देश को मिलेगा। अयोध्या के विकास के साथ–साथ रामायण सर्किट पर काम चल रहा है। निषादराज पार्क का निर्माण किया जा रहा है। यहां भगवान राम और निषादराज की 51 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा बनाई जा रही है। ये प्रतिमा रामायण के उस सर्वसमावेशी संदेश को भी जन–जन तक पहुंचाएगी जो हमें समानता और समरसता के लिए संकल्पबद्ध करता है। इसी तरह अयोध्या में क्वीनहोम मेमोरियल पार्क का निर्माण कराया गया है। ये पार्क भारत और दक्षिण कोरिया के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने का एक माध्यम बनेगा। इस विकास से, पर्यटन की इतनी संभावनाओं से युवाओं के लिए रोजगार के कितने अवसर मिलेंगे। सरकार ने जो रामायण एक्सप्रेस ट्रेन चलाई, वो स्प्रिचुअल टूरिज्म की दिशा में बेहतरीन शुरुआत है। आज देश में चार धाम प्रोजेक्ट हो, बुद्ध सर्किट हो या प्रसाद योजना के तहत चल रहे विकास कार्य हों, हमारा ये सांस्कृतिक उत्कर्ष भारत के समग्र उत्थान का श्रीगणेश है। श्रीराम से सीखें कर्तव्यों के प्रति समर्पण प्रधानमंत्री ने कहा, इस बार लालकिले से मैंने सभी देशवासियों को पंच प्राणओं को आत्मसात करने का आह्वान किया है। इन पंच प्राणों की ऊर्जा जिस एक तत्व से जुड़ी हुई है वो भारत के नागरिकों का कर्तव्य है। आज दीपोत्सव के इस पावन अवसर पर हमें अपने इस संकल्प को दोहराना है। श्रीराम से जितना सीख सकें उतना सीखना है। भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाते हैं। मर्यादा मान रखना भी सिखाती है और मान देना भी सिखाती है। हमारे धर्मग्रंथों में कहा गया है, 'रामों विग्रहवान धर्मः' अर्थात राम साक्षात धर्म के ज्ञानी कर्तव्य के सजीव स्वरूप हैं। भगवान राम जब जिस भूमिका में रहे, उन्होंने कर्तव्यों पर सबसे ज्यादा बल दिया। जब वो राजकुमार थे तब ऋषियों की, उनके आश्रमों की रक्षा की। राज्याभिषेक के समय श्रीराम ने आज्ञाकारी बेटे का कर्तव्य निभाया। उन्होने पिता और परिवार के वचनों को प्राथमिकता देते हुए राज्य के त्याग को अपना कर्तव्य समझकर स्वीकार किया। वो वन में होते हैं तो वनवासियों को गले लगाते हैं। आश्रम में जाते हैं तो मां सबरी का आशीर्वाद लेते हैं। वो सबको साथ लेकर लंका पर विजय प्राप्त करते हैं। जब सिंहासन पर बैठते हैं तो वन से वही सब साथी राम के साथ खड़े होते हैं, क्योंकि राम किसी को पीछे नहीं छोड़ते। राम कर्तव्य भावना से मुख नहीं मोड़ते। राम भारत की उस भावना के प्रतीक हैं जो मानती है कि हमारे अधिकार हमारे कर्तव्यों से सिद्ध हो जाते हैं। इसलिए

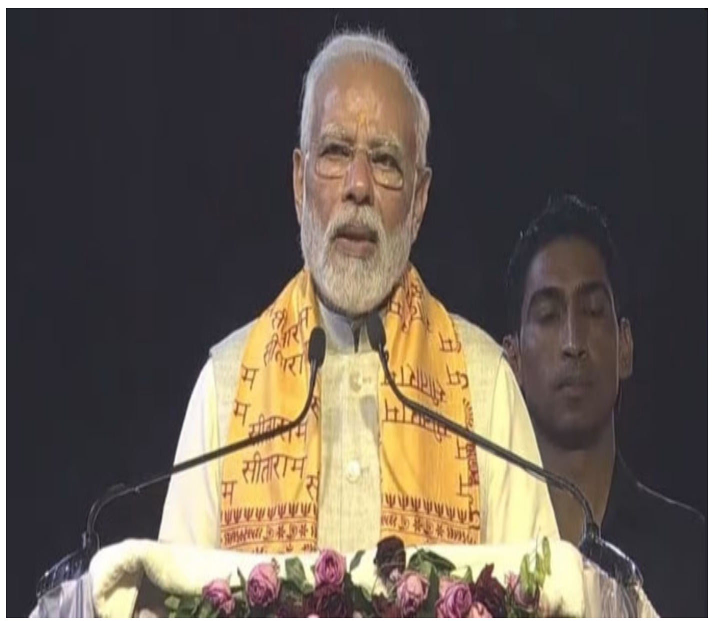

हमें कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने की जरूरत है। संयोग देखिए हमारे संविधान की जिस मूल प्रति पर भगवान राम, मां सीता और लक्ष्मण का चित्र अंकित है, संविधान का वो पृष्ठ भी मौलिक अधिकारों की बात करता है। इसलिए हम जितना कर्तव्यों के संकल्प को मजबूत करेंगे राम जैसे राज्य की संकल्पना साकार होती जाएगी। मां और मातृभूमि से बढ़कर कुछ नहीं आजादी के अमृतकाल में देश ने अपनी विरासत पर गर्व और गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान किया है। ये प्रेरणा भी हमें प्रभु राम से मिलती है। उन्होंने कहा था 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' यानि वो स्वर्णमयी लंका के सामने भी हीन भावना में नहीं आए, बल्कि उन्होंने कहा कि मां और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। इसी आत्मविश्वास के साथ जब वो अयोध्या लौटकर आते हैं तो अयोध्या की तुलना स्वर्ग से की गई है। इसलिए जब राष्ट्र निर्माण का संकल्प होता है, नागरिकों में सेवा भाव होता है तभी राष्ट्र असीम ऊंचाइयों को छूता है। पीएम मोदी बोले– अयोध्या भारत की महान सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब अयोध्या भारत के महान सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब है। राम अयोध्या के राजकुमार थे, लेकिन आराध्य वो पूरे देश के हैं। उनकी प्रेरणा, उनकी तपस्या, उनका दिखाया मार्ग हर देशवासी के लिए है। भगवान राम के आदर्शों पर चलना, हम सभी भारतीयों का कर्तव्य है। इस आदर्श पथ पर चलते हुए अयोध्यावासियों पर दोहरा दायित्व है। वो दिन दूर नहीं, जब विश्व भर से यहां आने वालों की संख्या अनेक गुना बढ़ जाएगी। जहां कण–कण में राम व्याप्त हो, वहां का जन–जन कैसा हो, वहां के लोगों का मन कैसा हो, ये भी उतना ही अहम है। जैसे श्रीराम ने सबको अपनापन दिया, वैसे ही अयोध्यावासियों को यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का स्वागत अपनत्व से करना है। अयोध्या की पहचान कर्तव्यनगरी के तौर पर भी बननी चाहिए। अयोध्या सबसे स्वच्छ नगरी हो, यहां के रास्ते चौड़े हों, सुंदरता अप्रतिम हो, इसके लिए योगी सरकार अनेक प्रयास कर रही है। अगर अयोध्यावासियों का साथ मिलेगा तो अयोध्या की दिव्यता और भी निखर जाएगी। ये सारी बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में रविवार को दीपोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत से पहले कहीं। इससे पहले उन्होंने भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक भी किया और राम दरबार में रामलला के दर्शन व पूजन के अलावा राममंदिर निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। रज–रज में कण–कण में हैं श्रीराम पीएम ने अपने उद्बोधन की शुरुआत जय सियाराम के साथ की और समापन भी सियावर रामचंद्र की जय से किया। उन्होंने कहा, राम के दर्शन और राजा राम का राज्याभिषेक भगवान राम की कृपा से ही मिलता है। जब राम का अभिषेक होता है तो हमारे भीतर भगवान राम के आदर्श और मूल्य और भी दृढ़ हो जाते हैं। राम के अभिषेक के साथ ही उनका दिखाया पथ और प्रदीप्त हो उठता है। अयोध्या के तो रज–रज में कण–कण में उनका दर्शन समाहित है। आज अयोध्या की रामलीलाओं के माध्यम से, सरयू आरती के माध्यम से, दीपोत्सव के माध्यम से और रामायण पर शोध और अनुसंधान के माध्यम से ये दर्शन पूरे संसार में प्रसारित हो रहा है। राम के संकल्प देश को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे पीएम ने आगे कहा, इस बार दीपावली ऐसे समय पर आई है जब हमने कुछ समय पहले ही आजादी के 75 वर्ष पूरे किए हैं। आजादी के इस अमृतकाल में भगवान राम जैसे संकल्प शक्ति देश को नई ऊंचाई पर ले जाएगी। भगवान राम ने अपने वचन में, अपने विचारों में, अपने शासन में, अपने प्रशासन में जिन मूल्यों को गढ़ा वो सबका साथ और सबका विकास की प्रेरणा है। सबका विश्वास और सबका प्रयास का आधार भी है। अगले 25 वर्षों में विकसित भारत की आकांक्षा लिए आगे बढ़ रहे हिंदुस्तानियों के लिए श्रीराम के आदर्श उस प्रकाश स्तंभ की तरह हैं जो हमें कठिन से कठिन लक्ष्यों को हासिल करने का हौसला देंगे।

# विस्फोट से उड़ी घर की छत, महिला की मौत, एक युवक गंभीर : दो लोगों को जेसीबी लगाकर निकाला गया

लखनऊ ब्यूरो : गोंडा जिले में नवाबगंज में एक घर में अचानक हुए धमाके से दूसरे मंजिल की छत गिर गई। धमाके से पूरा मोहल्ला दहल उठा। धमाके से घायल एक महिला की मौत हो गई और एक युवक की हालत गंभीर है। सोमवार की सुबह करीब नौ बजे कस्बे के संचरही मोहल्ला में मोहम्मद शहीद उर्फ कनछेद मनिहार के घर में अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोटक के धमाके से पूरा मोहल्ला दहल उठा। विस्फोटक के धमाके से घर के दूसरी मंजिल का छत भरभरा कर गिर गया, जिसके नीचे इब्राहीम उर्फ कनछेद उम्र करीब (30)पुत्र मोहम्मद शहीद तथा सदरुलनिशां (52) पत्नी मोहम्मद शहीद उर्फ बड्डे दब गए। विस्फोटक होने की सूचना मौके पर पहुंची पुलिस नें जेसीबी से घर का मलबा हटवा कर छत के नीचे दबे मां बेटे को गभीर हालत में निकाल कर एंबुलेंस से सीएचसी पर पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान सदरुलनिशा की मौत हो गई। इब्राहीम उर्फ कनछेद की गंभीर हालत को देखते हुए डाक्टर

नें लखनऊ रेफर कर दिया। विस्फोट की सूचना पर मौके पर सीओ संसार सिंह राठी नें पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह नें बताया कि जांच के बाद विस्फोट के कारणों का पता चल सकेगा। कस्बे के लोगों के अनुसार मोहम्मद शहीद उर्फ बड्डे मनिहार काफी दिनों से पटाखा बनाने का काम करता था।पटाखे के विस्फोट से ही यह घटना हुई है।

# उप मुख्यमंत्री ने सभी सीएमएस को दिए निर्देश : अस्पतालों में इमरजेंसी सेवा को रखें दुरुस्त

लखनऊ ब्यूरो : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को सभी सीएमएस को दीपावली पर इमरजेंसी सेवा दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दीपावली से छठ तक इमरजेंसी में विशेष सुविधाएं रखी जाएं। अवकाश के चलते ओपीडी बंद होने पर इमरजेंसी में मरीजों की संख्या बढ़ेगी। इसलिए आपात सेवा में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगाई जाए। उन्होंने कहा कि दीपावली पर पटाखे आदि से झुलसने के मामले बढ़ने की आशंका रहती है। इसलिए मरीजों के उपचार की पुख्ता तैयारी रखी जाए। गंभीर मरीजों को लखनऊ के सिविल अस्पताल एवं केजीएमयू की बर्न यूनिट में रेफर किया जाए। इमरजेंसी में पांच विशेषज्ञों की टीम मौजूद रहे। किसी भी तरह की आपात स्थिति होने पर चिकित्सा संस्थानों को अलर्ट कर मरीज को रेफर किया जाएगा ताकि मरीज के उच्च चिकित्सा संस्थान पहुंचते ही तत्काल सभी सुविधाएं मिल जाएं। उन्होंने सभी सीएमओ एवं

सीएमएस को निर्देशित किया है कि अस्पताल में दवाओं के साथ डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ की टीम बढ़ा दी जाए। अपरिहार्य स्थिति में ही छुट्टी दी जाए। जांच सुविधाएं एवं एंबुलेंस सुविधा का भी ध्यान रखा जाए।

# राम के सहारे हिंदुत्व के समीकरणों की मजबूती का प्रयास : भविष्य का एजेंडा साफ

लखनऊ ब्यूरो : अलौकिक और आधुनिक अयोध्या' की थीम पर पौराणिकता एवं नवीनता के संगम को साकार करने के लिए केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के प्रयासों का दर्शन कराते छठे दीपोत्सव के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भविष्य के एजेंडे को साफ कर दिया। उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर पूजन–अर्चन तथा वहां बन रहे भव्य राममंदिर के निर्माण का गहराई से निरीक्षण कर यह संदेश देने की कोशिश की कि वे न तो भूले हैं और न कभी भूलेंगे कि उनको मिल रही सफलता एवं समर्थन में भगवान राम से जुड़े करोड़ों लोगों की जनभावना का बड़ा योगदान है। इसलिए सनातन संस्कृति की आस्था के स्थलों एवं आध्यात्मिक नगरियों का दिव्यता एवं भव्यता से पुनर्निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ता रहेगा। चाहे कोई कुछ भी कहे। मोदी ने कोरोना काल की दो वर्ष की विभीषिका के बाद हुए इस समारोह के जरिए देश व प्रदेशों की पहचान एवं जनसरोकारों के कामों में आए बदलाव को समझाने की कोशिश की। विरासत एवं आस्था के स्थलों की दुर्दशा के जिक्र के साथ गैर भाजपा दलों को कठघरे में खड़ा करते हुए अयोध्या के दीपोत्सव एवं भगवान राम के सहारे सियासत में हिंदुत्व के समीकरणों को दुरुस्त करने का भी प्रयास किया। करीब दस माह पहले दिसंबर 2021 में वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण से विरासत के स्थलों की अनदेखी के लिए विपक्ष पर शुरू मोदी का हमला अयोध्या की धरती पर भी जारी रहा। उन्होंने यह कहते हुए विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया कि एक समय वह भी था जब राम और अपनी संस्कृति एवं सभ्यता पर बात करने से लोग बचते थे। राम के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगाए जाते थे। अतीत में अयोध्या के रामघाट की दुर्दशा जैसे प्रतीकों के सहारे लोगों को यह समझाया कि उन्होंने सनातन संस्कृति के प्रतीक स्थलों को सम्मान व सरोकारों के विस्तार पर काम करके हिंदुओं में भर दी गई हीन भावना को तोड़ा है। एक तरह से मोदी ने अयोध्या की धरती से देश व दुनिया में रह रहे हिंदुओं को यह संदेश देने की कोशिश की कि सनातन सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का कार्य अभी काफी आगे जाना है। थोड़ी सी चूक देश की तस्वीर बदलने वाले इन कार्यों पर रुकावट ही नहीं लगाएगी, बल्कि देश की पहचान एवं सनातन संस्कृति को मानने वालों के अस्तित्व को भी खतरे में डालेगी। आस्था से आर्थिक मुद्दों तक पर संदेश श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण स्थल पर पीएम मोदी का सीएम योगी के साथ एक–एक कार्य की बारीकी से पूछताछ, कुछ सलाह देना और सुविधाओं के बारे में समझना। फिर एक आस्थावान हिंदू की तरह गर्भगृह वाले निर्माण स्थल पर नंगे पैर जाना एवं वहां लगाए गए स्तंभ की पूजा करना, मंदिर के निर्माण में लगे श्रमिकों से संवाद करना, फिर भगवान राम के राज्याभिषेक में पूरे भक्तिभाव से शामिल होना, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं राममंदिर आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के संतों में जीवित सबसे वरिष्ठ महंत नृत्यगोपाल दास का

चरणस्पर्श एवं सरयू आरती तथा दीपोत्सव में शामिल होने की तस्वीरें बिन बोले देश के लोगों को भाजपा सरकार की सनातन संस्कृति के सरोकारों पर समर्पण तथा सम्मान का संदेश देने वाली रही। इसके साथ प्रधानमंत्री ने अयोध्या के विकास में योगी सरकार के कामों का उल्लेख कर यह संदेश देने का भी प्रयास किया कि आध्यात्मिक स्थलों को उनकी गरिमा लौटाने के काम सिर्फ आस्था को ही मजबूत नहीं करेंगे, बल्कि धार्मिक पर्यटन के नए अवसर मुहैया कराकर लोगों को आर्थिक रूप से भी स्वावलंबी बनाने में सहायक होंगे। राम के सहारे सरोकार संवारे सीधे तौर पर न सही, लेकिन सांकेतिक रूप से मोदी ने दीपोत्सव से रामराज्य की कसौटी पर अपनी तथा योगी सरकार को कसते हुए लोगों को यह भी समझाने का प्रयास किया कि उनका प्रयास राम के आदर्शों की कसौटी का राज बनाना है। जहां न कोई भूखा हो और न बीमार। न कोई विपन्न हो न किसी को जरूरत के सामान का अभाव हो। तभी तो सीएम योगी आदित्यनाथ ने जहां 'दैहिक, दैविक भौतिक तापा, राम राज नहिं काहुहि ब्यापा...' से प्रधानमंत्री के जनकल्याणकारी कार्यों का उल्लेख किया तो वहीं प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ–सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' को राम राज का आधार बताते हुए इन्हीं कसौटियों पर काम करने का संकल्प जताकर राम के सरोकारों से खुद को जोड़ा। साथ ही उन लोगों को राम की धरती से ही जवाब देने की कोशिश जो उन पर या भाजपा की अन्य सरकारों पर सांप्रदायिक या मुस्लिम विरोधी अथवा दलित, शोषित एवं वंचित लोगों की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। उन्होंने यह कहने में भी कोताही नहीं बरती कि राम से जितना सीख सकते हैं उतना सभी को सीखना चाहिए। राम न तो किसी को पीछे छोड़ते हैं और न किसी को हीन समझते हैं। सियासी समीकरण भी साधे अयोध्या देश में सियासत की धारा में बदलाव की धुरी रही है। यह बदलाव जिस अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर की मुक्ति आंदोलन एवं अभियान के सहारे हुआ है, 90 के दशक में इस अभियान के प्रमुख चेहरे लालकृष्ण आडवाणी के सोमनाथ से अयोध्या तक की रथयात्रा की बागडोर मोदी ने ही संभाली थी। स्वाभाविक है कि उन मोदी की नजरों से राम के सरोकारों से सियासत में मिले विस्तार एवं मजबूती के समीकरण कैसे ओझल होते। इसलिए उन्होंने सरोकारों के साथ सियासी समीकरणों पर भी नजर रखने में चूक नहीं की। उन्होंने संकेतों से ही सही, लेकिन सियासत में भाजपा के सरोकारों को विस्तार देने की कोशिश की। उन्होंने यह उल्लेख करते हुए कि राम वन गए तो सबको साथ लिया। शबरी के आश्रम गए और प्रेम को सम्मान देते हुए जूठे बेर खाए। सबको साथ लेने तथा सबके प्रयास की ही ताकत थी जो वह स्वर्णमयी लंका देखकर भी हीन भावना से ग्रस्त नहीं हुए बल्कि वनवासियों, गिरिवासियों, रीछ एवं वानरों के साथ रावण को पराजित किया। लंका विजय के बाद जब राज गद्दी संभाली तो भी इन सबको सम्मान दिया। राम के लिए सब अपने हैं कहते हुए एक तरह से मोदी ने राम को आदर्श मानने के कारण उनके लिए दलित, शोषित, वंचित, पिछड़े भी उतने ही सम्मानीय हैं जितने दूसरे। राजनीतिक शास्त्री प्रो. एसके द्विवेदी कहते हैं कि प्रधानमंत्री की ये बातें विभिन्न प्रांतों, भाषा–भाषी एवं जातियों खासतौर से दलित, शोषित, वंचित एवं पिछड़ी जाति के लोगों को यह विश्वास दिलाने कोशिश है कि हिंदुत्व के सरोकारों को साकार करने के कार्य में इनका भी कल्याण जुड़ा हुआ है। हिंदुत्व के दर्शन पर काम करने वाली सरकारें ही उनके सरोकारों का भी सही मायने में सम्मान कर सकती हैं। इसलिए इन्हें किसी जाति, पंथ जैसे समीकरणों में न उलझकर भाजपा को मजबूत करना चाहिए।

# जेल में भैय्यादूज की तैयारियां शुरू : बाहर से नहीं जाएगी मिठाई

अलीगढ़ ब्यूरो : दिवाली का त्योहार मनाने के साथ–साथ जेल में भाई दूज की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस दिन बंदियों से मुलाकात के लिए आने वाली बहनों की भीड़ को देखकर इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अभी तक यह तय किया गया है कि बहनें बाहर से मिठाई लेकर नहीं जा सकेंगी। जेल के अंदर निर्मित मिठाई से ही वे अपने भाइयों का मुंह मीठा करा सकेंगी। जेल के वरिष्ठ अधीक्षक बिजेंद्र सिंह यादव के अनुसार भाई दूज के मौके पर दो वर्ष बाद कोविड नियमों को खत्म कर मुलाकात कराई जा रही है। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। वहीं जेल में सुरक्षा कारणों से बाहर से मिठाई लाना प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए जेल में ही मिठाई बनवाई जा रही है। बहनें सिर्फ तिलक के लिए रोली–चावल व अन्य पूजा सामग्री ही मान्य होगी।

# एक महीने में तीसरी बार कटी रजबहा की पटरी

अलीगढ़ ब्यूरो : सिंचाई विभाग की लापरवाही के चलते दिनाबली रजबहा की पटरी एक महीने के अंदर तीसरी बार कट गई। पटरी कटने से किसानों की सैकड़ों बीघा फसलें पानी में डूबकर चौपट हो गई है। तहसील क्षेत्र में गांव हस्तपुर–चंदफरी से होकर दिनावली रजबहा गुजरता है। इन दिनों रजबहा में लबालब पानी चल रहा है। शनिवार

की रात को गांव हस्तपुर व चंदफरी के मध्य रजबहा की पटरी कट गई। इसकी जानकारी किसानों को रविवार की सुबह खेतों पर पहुंचने के दौरान हुई। पटरी कटने से आलू व लाहा की फसल के साथ खाली खेत जलमग्न होना बताया जा रहा है। जिसमें गांव हस्तपुर के भीकम्बर सिंह, रामवीर सिंह व बसीर खां के आलू व गांव चंदफरी निवासी प्रवीन शर्मा के लाहा की फसल डूब गई है। किसानों का कहना है कि अभी आलू की बुवाई की गई थी। रजबहा की पटरी कटने से फसल पूरी तरह से चौपट हो गई है। खेत में नमी होने के कारण अब बुवाई में भी समय लगेगा। उल्लेखनीय है कि 24 सितंबर और नौ अक्तूबर को भी गांव चंदफरी के निकट रजबहा की पटरी कट गई थी। जिससे किसानों के धान की फसल में पानी भरने से नुकसान हुआ था। पीड़ित किसानों का कहना है कि सिंचाई विभाग की लापरवाही से पटरी कट रही है। पटरी की मरम्मत सही ढंग से नहीं की जा रही है इससे बार–बार पटरी कट रही है। पहले सूखा फिर बारिश की मार झेल रहे किसानों को पटरी कटने से बार–बार नुकसान उठाना पड़ रहा है। इससे सिंचाई विभाग के प्रति क्षेत्र के किसानों में काफी रोष है। किसानों का कहना है कि नुकसान का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाया जाना चाहिए। पटरी की मरम्मत भी मजबूती से किया जाना चाहिए ताकि फिर से पटरी न कटे।


## सभी क्षेत्र वासियों को दीपावली एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं

–आरती श्रीवास्तव
ए एन एम पीएचसी
वलीपुर, सुलतानपुर
फोन –9140908197

## सभी क्षेत्र वासियों को दीपावली एवं भैया दूज की हार्दिक बधाई

–राकेश तिवारी
प्रयाग एजेन्सी बंधवा, महमूदपुर, वलीपुर, सुलतानपुर
मो0 नं0 –9473589481

## सभी क्षेत्र वासियों को दीपावली एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
## बालाजी कम्प्यूटस

प्रो० –सोनू तिवारी
पता– लक्ष्मी नगर, रसूलपुर ,सुलतानपुर उ0प्र0
मोबाइल नम्बर : 9559367526



सम्पादक मंडल

श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी



प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com



उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।